राग - कामोद

थाट - कल्याण
समय - रात्रि का प्रथम प्रहर
वादी - रिषभ (रे)
संवादी - पंचम (प)
जाति - संपूर्ण / संपूर्ण
विकृत - मं तीव्र (दोनोंमका प्रयोग
प्रकृति - शांत - गंभीर

आरोह - सा रे प मंपधप नीध सां
अवरोह - सां नी ध प मंपधप गमप गमरेसा
पकड़ - रेरेप मंपधप गमप गमरेसा

सरगम - गीत
ताल - त्रिताल

रे रे प प	ध ध प प	ग म प ग	म रे सा -
रे प मंप	ग म रे सा	रे रे सा नी़	ध़ ध़ प़ प़
रे प़ सा -	रे रे सा -	ग म प ग	म रे सा -
अंतरा -			
प प सां -	सां रें सां -	गं मं पं गं	मं रें सां -
सां रें सां नी	ध ध प प	ग म प ग	म रे सा -
x	2	0	3

विशेष जानकारी - कल्याण थाट के इस राग में ज्यादातर राम तीव्र मे और पंचम के आसपास विशेष रूप से शोभा ब देता है। शुद्ध मध्यम का प्रयोग गमरेसा और म रे प जैसे रागवाचक टुकड़ों में किया जाता है। राग का संपूर्ण चलन वक्र है। इसलिये इस राग की जाति के बारे में मतभेद है.. परंतु वक्र स्वरूप में आरोह - अवरोह में सभी स्वर लिये जाते है. इसलिये इसकी जाति संपूर्ण / संपूर्ण माननी चाहिये। निषाद का इस राग में अल्पत्व है। इस राग के वादी - संवादी के बारे में भी मतभेद है कुछ विद्वान वादी "प" संवादी "रे" मानते है परंतु पूर्वांगवादी राग होने के कारण वादी रे और संवादी "प" संवादी मानना योग्य है। यह राग मींड प्रधान है। इस प्रकार राग में ख्याल, ध्रुपद और धमार अच्छी तरह से गाये जाते है। इसके निकटवर्ती राग, केदार, हमीर और छायानट है।

छोटा ख्याल — कामोद — ताल - तिताल

स्थाई - रे जाने न दूँगी मेरी माई
अपने बालम को नैनन मे कर
राखी पलकन मूँद - मूँद का

म रे म रे	प प प ध -	मं मं मं मं	ध ध प प
रे - - जा	ने न- दूँ -	गी - - -	मे री मा ई
ग म प ग	म रे सा -	सा सानी रे सा	ध़ - प़ प़
अ प ने बा	ल म को -	नै न- न न	मे - कर
प सा - सा सानी	स रे म रे रे सा	गम प ग म	रे रे सा -
रा - खी -	प ल- क न	मुं- - द मुं	- द का -
0	3	X	2

आलाप -

1)	सा - - -	रे - - -	सा - - -	रे - सा -
2)	रे - - -	प - मं प	ग - म -	रे - सा
3)	रे रे प -	मं - प -	गम प -	ग म रे सा
(4)	रे रे प -	मं प ध प	गम प - गमरेसा	गम प - गमरेसा
	0	3	X	2
(5)				

छोटा ख्याल

कामोद

त्रिताल

अंतरा – चमक बिजुरी मेहा बरसे।
सदा रंगीले मोंमद शां।
बरसे मेहा बूँद-बूँद का।

अंतरा			
प प प मेंप	सां सां सां –	सां – सां –	सांनी रें सां –
च म क बि–	– ज री –	मे – हा –	बू– र से –
सां सां सां ध – ध – ध	सां – सां –	धनी सांरें सांनी	ध नी प –
स दा – रं	गी – ले –	मों– – – मद	शा – – –
म रे प मे	ध – प –	गम प ग म	रे रे सा –
ब र से –	मे – हा –	बू– – द बूँ	– द का –
आलाप (अंतरे के)			
1) च म क बि–	– ज री –	सां – – –	रें रें सां –
2) सांनी धप मप धसां	सां – सां	रें रें सां –	सां – – –
3) रे प ध प	सां – – –	नी रें सां	नीसा रेंसां
4) सां नी ध प	प रे – सां	प रें – सां	गं मं रें सा
तानें –			
1) मरे पप मेपधप	मम रेसा मरे पप	धप मेप गम रेसा	गमपध गम रेसा
2) मेप धप मेप धसां	सांरें सांनी धपमेप	सांरेंनीसां रेंनी सारें	गंमं रेंसां नीरें सांसां
3) सारें नीसा पप रेसा	रेप मेप गम रेसा	सांनी धप मेपधप	गमप गम रेसा
4) सांनी धप मेपसांनी	धप मेप रेंरें सांनी	सांनी धप रेंरें सांनी	सांनी धप मम रेसा
0	3	X	2

बंदीश

राग - कामोद ताल - झपताल

स्थाई - गोरे बदन पर, शाम धीयेना, तिलक भाल और बृंदन माई।

अंतरा - गोरे - गोरे कर जामें, हरी - हरि चुरीयाँ, पाछे गजरा और बृंदन माई।

	स्थाई		
रे -	प - प	प प	ध(म) प प
गो -	रे - ब	द न	प - - रे
ध(म) प	ध(नी) सां (नी) ध	पम ध(म)प	ग म रे
शा -	म - - धीं	ये - ---	ना - -
X	2	0	3
रे प	मं प ग	म रे	सा रे सा
ति ल	क - भा	- ल	और - रे
रे प	ध(मं) प सां	ध ग म	सा रे सा
बृ -	- द -	न -	मा - ई
X	2	0	3
	अंतरा		
प प	सां - सां	सां रें	सां - सां
गो रे	गो - रे	क रे	जा - मैं
ध नी	सां - रें	नी सां	ध - प
ह री	ह - री	चु री	याँ - -
X	2	0	3
रें -	पं - गं	मं रें	सां रें सां
पा -	छे - ग	ज रा	और - रे
रे प	ध प सां	ग म	सा रे सा
बृ -	- द -	न -	मा - ई
X धीं ना	2 धीं धीं ना	0 तीं ना	3 धीं धीं ना

ध्रुपद

राग कामोद ताल - चौताल

स्थाई - कुंजन मध्य रच्यों रास, अद्भुत गत लियें गोपाल।
कुंडल की झलक देख, कोटि मदन ढठक्यों।

अंतरा - अधर, तो सुरंग रंग, बासुरी सुहाय संग,
टेढी छबि देख, देख, मेरो मन अटक्यो।

स्थाई	रे म रे म	प प	प प	ध म	प ग	म रे
	कुं -	ज न	म ध	र च्यों	- रा	- स
	रे रे	प प	ध म प	ग म	रे सा नी	रे सा
	अ द्भु	भु त	ग- त	लि ये	गो पा-	- ल
	x	0	2	0	3	4
	प -	सां -	सां रें	सां नी ध	प मे	प प
	कुं -	ड -	ल की	झ ल	क दे	- ख
	म प	प ध	प मे प	ग म प	ग म सा	रे सा
	को -	टी म	द- न	द- ठ	क्यों -	- -
	x	0	2	0	3	4
अंतरा	म प	प सां	- रें	सां -	सां सां	- सां
	अ ध	र तो	- सु	रं -	ग रं	- ग
	सां -	गं गं	मं रें	सां नी रें	सां नी ध	- प
	बाँ -	सु री	- सु	हा- य	~~य सं~~	~~-~~ ग
	प -	सां नी रें	सां सां	नी ध -	प मे	प प
	टे -	ढी -	छ बि	दे -	ख दे	- ख
	म रे	प -	ध प	ग म ~~ध~~	ग म सा	रे सा
	मे -	रो -	म न	अ- ट	क्यों -	- -
	x	0	2	0	3	4
	धीं धा	दीं ता	किट धा	दीं ता	किट तक	गदी गन

धमार — कामोद — ताल - धमार

स्थाई - लाल मोरी चूनर भींजेंगी।
अंतरा - अबीर गुलाल मों पर जीन डारो
जिन ही पे डारो जेही ~~करन~~ रहत तोरे संग।

स्थाई - ॥ वी मात्रा से

म रे सा सा ला ल मो री	रे - प प प चु - - न र	प मे भीं -	ध - प जे - गी
3	x	2	0

अंतरा - पहली मात्रा से (समसे)

प प - सां सां अ बी - र गु	सां - ला -	सां ध - ल मो -	सां रें सां सां प र जी न
ध - नीध प - डा - - रो -	गम प जीं न	ग म रे हीं - पें	सा - धनीध डा - रो - -
प ध ध मे प जें ही कर ह त	ध प तो रे	ग म प सं - ग	म रे सा सा ला ल मो री
x	2	3	3
क धी ट धी ट	धा -	ग ती ट	ती ट ता -